अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : जैनागम स्तोक वारिधि – तीसरी कक्षा (10 जनवरी, 2016)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	20	18	32	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र. 1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए 10X1=10

(a) भवनपति देव है–

क. कन्दे ख. महाकन्दे

ग. पवन कुमार घ. आग्नेय ( )

(b) रस परित्याग का भेद नहीं है–

क. आयामसित्थभोई ख. पंताहारे

ग. लूहाहारे घ. नेसज्जिए ( )

(c) टप–टप आँसू गिराना लक्षण है–

क. आर्त्तध्यान ख. रौद्र ध्यान

ग. द्वेष घ. कलह ( )

(d) 'कानसलावा' है–

क. बेइन्द्रिय ख. तेइन्द्रिय

ग. चौरेन्द्रिय घ. पंचेन्द्रिय ( )

(e) 11वें देवलोक में श्वासोच्छ्वास का जघन्य काल है–

क. 10 पक्ष ख. 23 पक्ष

ग. 20 पक्ष घ. 15 पक्ष ( )

(f) पाप कर्म भोगने की प्रकृतियाँ हैं–

क. 93 ख. 103

ग. 120 घ. 82 ( )

(g) जानने योग्य तत्त्व है–

क. पुण्य ख. संवर

ग. अजीव घ. आश्रव ( )

(h) लोहार की धमनी के समान श्वासोच्छ्वास लेते हैं–

क. नारकी ख. मनुष्य

ग. स्थावर घ. विकलेन्द्रिय ( )

(i) जयंतीबाई का थोकड़ा लिया है–

क. भगवती सूत्र शतक 1 उद्देशक 2

ख. भगवती सूत्र शतक 12 उद्देशक 1

ग. भगवती सूत्र शतक 1 उद्देशक 1

घ. भगवती सूत्र शतक 12 उद्देशक 2 ( )

(j) किसी के उपदेश के बिना पदार्थ विशेष को देखकर वैराग्य प्राप्त करना कहलाता है–

क. स्वयं बुद्ध ख. प्रत्येक बुद्ध

ग. निसर्ग रूचि घ. अभिगम रूचि ( )

प्र. 2 हाँ या ना में उत्तर लिखिए– 10X1=10

(a) जिसे प्रायश्चित का ज्ञान नहीं है, वह अव्वत्त है– .....

(b) अमनोज्ञ वस्तुओं पर स्नेह रखना द्वेष है– .....

(c) पराघात नाम पुण्य प्रकृति नहीं है। .....

(d) मोक्ष तत्त्व उपादेय है– .....

(e) 4 मास की दीक्षा पर्याय वाले श्रमण–निर्ग्रंथ का सुख सूर्य–चन्द देवों के सुख से बढ़कर है– .....

(f) हाथी एक खुर वाला है– .....

(g) जागृत हुए जीव सभी प्राण, भूत, जीव और सत्त्व के लिए सुखकारी होते हैं। .....

(h) श्वासोच्छ्वास का थोकड़ा आभ्यन्तर श्वासोच्छ्वास की अपेक्षा से लिया गया है। .....

(i) सिद्ध जीव संसारी जीवों से अनंत गुणा हैं। .....

(j) वर्तमान काल एक समय का होता है। .....

प्र. 3 निम्नलिखित जोड़ियों को मिलान करके सही उत्तर लिखिए– 10X1=10

(a) परितापनाकारी	(क) समुद्रपालमुनि	.....
(b) विवेक	(ख) मरूदेवीमाता	.....
(c) आश्रव भावना	(ग) करकंडू मुनि	.....
(d) स्त्रीलिंग सिद्ध	(घ) अण्णगिलायए	.....
(e) प्रत्येक बुद्ध	(च) जम्बू स्वामी	.....
(f) बुद्धबोधित	(छ) मन विनय	.....
(g) गृहस्थ लिंग सिद्ध	(ज) अव्यथ	.....
(h) धर्मध्यान	(झ) 20	.....
(i) शुक्ल ध्यान	(य) सूत्ररूचि	.....
(j) भिक्षाचर्या	(र) प्रायश्चित्त	.....

प्र. 4 मुझे पहचानो– 10X2=20

(a) हमें परमावधिज्ञानी व केवल ज्ञानी ही देख सकते हैं। .....

(b) हम कर्म बंध के कारण हैं। .....

(c) मैं पुण्य–पाप का भोक्ता हूँ। .....

(d) हम पूर्ण ज्योति तथा कांति वाले हैं। .....

(e) मेरे 184 भेद हैं। .....

(f) मैं माया और लोभ से उत्पन्न होता हूँ। .....

(g) मैं बिना उपयोग के लापरवाही से लगने वाली क्रिया हूँ। .....

(h) हम 45 लाख योजन प्रमाण क्षेत्र में रहते हैं। .....

(i) मुझमें मात्र भवी जीव ही होते हैं। .....

(j) मैं जघन्य और उत्कृष्ट पृथक्त्व मुहूर्त्त में श्वासोच्छ्वास लेता हूँ। .....

प्र. 5 एक–दो वाक्यों में उत्तर दीजिए (कोई 9) 9X2=18

(a) भवनपति देवों के श्वासोच्छ्वास का काल लिखिए।

.....

.....

.....

(b) कौन–कौन सी मार्गणा से जीव मोक्ष नहीं जा सकते हैं?

.....

.....

.....

(c) मोक्ष तत्त्व का वर्णन कौन–कौन से द्वारों से किया गया है?

.....

.....

.....

(d) निर्यापक क्या है?

.....

.....

.....

(e) उक्खित्त–निक्खित्तचरए क्या है?

.....

.....

.....

(f) संवर के सत्तावन भेद कौनसे हैं?

.....

.....

.....

(g) सामन्तोवणिवाइया क्रिया का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(h) एकेन्द्रिय से पंचेन्द्रिय तक के जीव कौन–कौनसी इन्द्रियों से श्वासोच्छ्वास लेते हैं?

.....

.....

.....

(i) पहले एवं 8वें देवलोक के देवों से बढ़कर सुख किनका है?

.....

.....

.....

(j) खेचर कितने प्रकार के हैं व कौनसे?

.....

.....

.....

प्र. 6 तीन–चार वाक्यों में उत्तर दीजिए (कोई 8) 8X4=32

(a) 148 प्रकृतियों में से बंध योग्य प्रकृतियाँ कितनी हैं व कौनसी?

.....

.....

.....

.....

.....

(b) वैयावृत्त्य के अधिकारी कौन–कौन हैं?

.....

.....

.....

.....

.....

(c) मोक्ष तत्त्व के भाव द्वार को समझाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

(d) अठारह पापों के आचरण व त्याग से जीव क्या–क्या प्राप्त करता है?

.....

.....

.....

.....

.....

(e) नव तत्त्व तथा 5 अजीव द्रव्यों में रूपी व अरूपी कौन–कौनसे हैं?

.....

.....

.....

.....

(f) भिक्षाचर्या तप का स्वरूप समझाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

(g) शुक्ल ध्यान के 4 भेदों का आधार क्या है? ये किन–किन गुणस्थानों में पाये जाते हैं?

.....

.....

.....

.....

.....

(h) कायक्लेश तप के भेदों को लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(i) 14 अशुचि स्थानों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

.....